Raj Express (Indore), 6th July 2021, Page-2

आईआईटी इंदौर में इस साल 20 फीसदी रहेगी लड़कियों की संख्या

लड़कियों के लिए आवेदन शुल्क भी आधा, विदेशी स्टूडेंट्स को सीधे मिलेगा एडवांस में रजिस्ट्रेशन का मौका

इंदौर ■ पीयूष मौर्य

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर में शैक्षणिक सत्र 2021 में लड़कियों की संख्या 20 फीसदी की जाएगी। देशभर के सभी आईआईटी में लड़कियों की संख्या बढ़ाए जाने की प्रक्रिया भारत सरकार की गाइडलाइन अनुसार जारी है। नियमानुसार इस साल सभी आईआईटी को अपने कैंपस में कम से कम 20 फीसदी लड़कियों को एडमिशन देने को कहा है। सूत्रों की माने तो लड़कियों के एडमिशन में सबसे बड़ी समस्या लोकेशन और ब्रांच को लेकर अधिक रहती है। एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में एडमिशन मिलने पर कई बार लड़कियां अपना एडमिशन कैंसल कर देती है। लोकेशन और ब्रांच यह सबसे बड़ा मुख्य कारण लड़कियों की संख्या कम होने का सामने आ रहा है।

एडमिशन के लिए हर साल घट रही स्टूडेंट्स की संख्या: जेईई एडवांस की परीक्षा में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स की संख्या हर साल घटती जा रही है। साल 2019 में टॉप 2.45 लाख स्टूडेंट्स में से 1.73 लाख ने आईआईटी में एडमिशन दिलवाने वाली परीक्षा जेईई एडवांस के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। वहीं 2018 में टॉप 2.31 लाख में से 1.65 लाख ने और 2017 में टॉप 2.20 लाख में से 1.71 लाख ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इस हिसाब से देखा जाए तो स्टूडेंट्स की संख्या में गिरावट आई हैं। इसके अलावा हर साल जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाइंग स्टूडेंट्स की संख्या में भी वृद्धि की जा रही है इसके बावजूद ये आंकड़ा कम होता जा रहा है।

फीस भी अधिक है आईआईटी में: चाहे आईआईटी हो या अन्य तकनीकी संस्थान सभी जगह सीटें बढ़ाई गई है। सीट बढ़ने की वजह से भी रजिस्ट्रेशन में कमी आती है। पिछले साल कई पैरेंट्स ने कोरोना के चलते होम टाउन को पहली प्राथमिकता दी, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है इस बार भी यही पैटर्न रहे। इसके अलावा आईआईटी की फीस डेढ़ से ढाई लाख रुपए प्रति साल है जबकि अन्य संस्थानों में फीस बहुत कम है। एक्सपर्ट के अनुसार इंदौर समेत देशभर के तमाम आईआईटी में सीटों की संख्या 11 हजार के करीब हैं। जो स्टूडेंट्स जेईई मेन देते हैं और उनकी रैंक अ%छी नहीं आती है तो वे एनआईटी या अन्य ऑप्शन चुन लेते हैं। जिन स्टूडेंट्स को पता है कि यदि वे एडवांस के लिए रजिस्ट्रेशन करवाएंगे तो भी उनकी पसंद का ब्रांच या संस्थान नहीं मिलेगा तो वे एडवांस के पहले ही ड्रॉप ले लेते हैं।

लड़कियों के लिए आवेदन शुल्क आधा: आईआईटी खड़गपुर की ओर से इस साल जेईई एडवांस का आयोजन किया जाना है। जेईई एडवांस को लेकर इंफॉर्मेशन ब्रोशर पहले ही जारी किया जा चुका है, जिसमें बताया गया है कि परीक्षा की तारीख, रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, काउंसलिंग शेड्यूल को बाद में रिलीज किया जाएगा। ब्रोशर में दी गई सूचना के अनुसार लिस्ट ऑफ डॉक्यूमेंट्स में 10वीं और 12वीं की मार्कशीट के साथ ही आरक्षित श्रेणी के लिए सर्टिफिकेट की आवश्यकता होगी। ईडब्ल्यूएस और ओबीसी एनसीएल कैटेगरी के लिए 1 अप्रैल 2021 या इसके बाद का ही सर्टिफिकेट मान्य होगा। लड़कियों, एससी, एसटी व दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 1400 रुपए रखा गया है, जबकि अन्य सभी कैटेगरी के लिए आवेदन शुल्क 2800 रुपए रखा है। इस साल जेईई मेन से जेईई एडवांस के लिए कम से कम 2.5 लाख स्टूडेंट्स क्वालिफाई करेंगे। स्कोर टाई होने पर यह संख्या बढ़ भी सकती है।

पिछले सालों के आंकड़े (जेईई एडवांस)

वर्ष	रजिस्ट्रेशन करवाया
2020	1.60
2019	1.73
2018	1.65
2017	1.71

विदेशी स्टूडेंट्स सीधे कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन

ओपन कैटेगरी से कुल 1 लाख 1 हजार 250 , जनरल ईडब्ल्यूएस यानि आर्थिक रुप से कमजोर जनरल कैटेगरी से 25 हजार, ओबीसी कैटेगरी से कुल 67 हजार 500, एससी से 37 हजार 500 और एसटी से 18750 स्टूडेंट्स एडवांस के लिए एलिजिबिलिटी हासिल कर पाएंगे। विदेशी स्टूडेंट्स को एडवांस के लिए जेईई मेन देने की आवश्यकता नहीं है। वे सीधे ही एडवांस के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।